क्या मृतक वास्तव में मृत हैं?

अमेज़िंग फ़ैक्ट्स
अध्ययन संदर्शिका

10

मृत्यु आज सबसे गलत समझे जाने विषयों में से एक हो सकता है। कई लोगों के लिए, मृत्यु रहस्यों में घिरी हुई है और डर, अनिश्चितता और निराशा उत्पन्न करती है। दूसरों का मानना है कि उनके मृत प्रियजन मरे नहीं हैं, बल्कि उनके साथ या अन्य लोकों में रहते हैं। लाखों लोग शरीर, प्राण और आत्मा के बीच संबंधों के बारे में उलझन में हैं। लेकिन क्या वास्तव में कोई फर्क पड़ता है कि आप क्या मानते हैं? हाँ-बिल्कुल! मृतकों के बारे में आप जो विश्वास करते हैं, उसके निकट भविष्य में आपके साथ क्या होता है, इस पर गहरा असर होगा। अनुमान लगाने के लिए कोई जगह नहीं है! यह अध्ययन संदर्शिका आपको इस विषय पर परमेश्वर क्या कहता है, इस के बारे में बताएगी। अपनी वास्तविक आँखें खोलने के लिए तैयार हो जाएँ!

1 यहाँ पहली जगह में मनुष्य कैसे पहुँचे?

"तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टि से रचा और नथनों में जीवन का श्वास फूँक दिया, और आदम जीवित प्राणी बन गया" (उत्पत्ति 2:7)।

उत्तर: परमेश्वर ने हमें शुरुआत में मिट्टी से बनाया।

शुरुआत में परमेश्वर द्वारा आदम बनाया गया था।

2 जब कोई व्यक्ति मर जाता है तो क्या होता है?

"तब मिट्टी ज्यों की त्यों मिट्टी में मिल जाएगी, और आत्मा परमेश्वर के पास जिसने उसे दिया लौट जाएगी" (सभोपदेशक 12:7)।

उत्तर: देह फिर से मिट्टी में बदल जाता है, और आत्मा परमेश्वर के पास लौट जाती है, जिसने इसे दिया। मरने वाले हर व्यक्ति की आत्मा - चाहे बचाया गया हो या न बचाया गया हो - मृत्यु पर परमेश्वर के पास लौटती है।

3 वह "आत्मा" क्या है जो मृत्यु पर परमेश्वर के पास लौटती है?

"देह आत्मा बिना मरी हुई है" (याकूब 2:26)। "परमेश्वर का आत्मा मेरे नथुनों में है" (अय्यूब 27:3)।

उत्तर: आत्मा जो परमेश्वर के पास मृत्यु पर लौटती जाती है वह जीवन का श्वास है। पवित्र वचनों में कहीं पर भी व्यक्ति की मृत्यु के बाद "आत्मा" में कोई भी जीवन, ज्ञान या भावना की बात नहीं कही गयी है। यह "जीवन का श्वास" है और उससे अधिक कुछ भी नहीं।

4 "आत्मा" क्या है?

"तब यहोवा पमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा, और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूँक दिया, और आदम जीवित प्राणी बन गया" (उत्पत्ति 2:7)।

उत्तर: आत्मा एक जीवित प्राणी है। आत्मा हमेशा दो चीजों का संयोजन होती है: देह और श्वास। आत्मा तब तक अस्तित्व में नहीं रह सकती जब तक कि देह और श्वास का संयोजन नहीं हो जाता। परमेश्वर का वचन सिखाता है कि हम आत्मा हैं - न कि हमारे पास आत्माएँ हैं।

ये चार लोग चार आत्माएँ हैं।

5 क्या आत्मा मरती है?

"जो प्राणी पाप करे वही मरेगा" (यहेजकेल 18:20)। "समुद्र में का हर एक जीवधारी मर गया" (प्रकाशितवाक्य 16:3)।

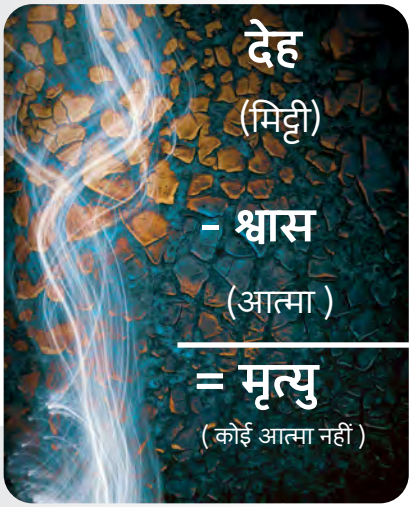

उत्तर: परमेश्वर के वचन के अनुसार, आत्माएँ मरती है! हम आत्मा हैं, और आत्माएँ मरती है। मनुष्य नाशवान है (अय्यूब 4:17)। केवल परमेश्वर अमर है (1 तीमुथियुस 6:15, 16)। एक अमर आत्मा की अवधारणा बाइबल में नहीं मिलती है, जो सिखाती है कि आत्माएँ मृत्यु के अधीन हैं।

6 क्या बचाए हुए स्वर्ग जाते हैं जब वे मरते हैं?

"वह समय आता है कि जितने कब्रों में हैं वे उसका शब्द सुनकर निकल आएँगे" (यूहन्ना 5:28, 29)। "दाऊद ... वह तो मर गया और गाड़ा भी गया और उसकी कब्र आज तक हमारे यहाँ विद्यमान है। ... क्योंकि दाऊद तो स्वर्ग पर नहीं चढ़ा" (प्रेरितों 2:29, 34)। "यदि मेरी आशा यह हो कि अधोलोक मेरा धाम होगा" (अय्यूब 17:13)।

उत्तर: नहीं। लोग मृत्यु के बाद स्वर्ग या नरक में नहीं जाते हैं। वे कहीं भी नहीं जाते-लेकिन वे पुनरुत्थान के लिए अपनी कब्रों में इंतजार करते हैं।

बाइबल बताती है कि राजा दाऊद परमेश्वर के राज्य में होंगे, परन्तु वह अब अपनी कब्र में है, जहाँ वह पुनरुत्थान का इंतजार कर रहा है।

7 मृत्यु के बाद कोई कितना जानता है या समझता है?

"क्योंकि जीवते तो इतना जानते हैं कि वे मरेंगे, परन्तु मरे हुए कुछ भी नहीं जानते, और न उनको कुछ और बदला मिल सकता है, क्योंकि उनका स्मरण मिट गया है। उनका प्रेम और उनका बैर और उनकी डाह नष्ट हो चुकी, और अब जो सूर्य के नीचे किया जाता है उसमें सदा के लिए उनका और कौई भाग न होगा। ... जो काम तुझे मिले उसे अपनी शक्ति भर करना, क्योंकि अधोलोक जहाँ तू जाने वाला है न काम न युक्ति न ज्ञान और न बुद्धि है।" (सभोपदेशक 9:5, 6, 10)। "मृतक जितने चुपचाप पड़े हैं, वे तो याह की स्तुति नहीं कर सकते हैं" (भजन संहिता 115:17)।

उत्तर: परमेश्वर कहते हैं कि मृतक बिल्कुल कुछ नहीं जानते!

8 परन्तु क्या मृतक जीवित लोगों के साथ संवाद नहीं कर सकते हैं? और क्या वे नहीं जानते कि जीवित क्या कर रहे हैं?

"वैसे ही मनुष्य लेट जाता है और फिर नहीं उठता, जब आकाश बना रहेगा तब तक वह न जागेगा, और न उसकी नींद टूटेगी। ... उसके पुत्रों कि बढ़ाई होती है, और यह उनसे नहीं सूझता, और उनकी घटी होती है, परन्तु वह उनका हाल नहीं जानता।" (अय्यूब 14:12, 21)। "उनका प्रेम और उनका बैर और उनकी डाह नष्ट हो चुकी, और अब जो कुछ सूर्य के नीचे किया जाता है उसमें सदा के लिए उनका और कोई भाग नहीं होगा" (सभोपदेशक 9:6)।

उत्तर: नहीं। मृतक जीवित से संपर्क नहीं कर सकते हैं, न ही वे जानते हैं कि जीवित क्या कर रहे हैं। वे मर गए हैं। उनके विचार भी मर गए हैं (भजन संहिता 146:4)।

हालांकि लाखों लोग सोचते हैं कि यह संभव है, परन्तु मृत जीवित लोगों के साथ संवाद नहीं कर सकते हैं।

9 यीशु ने यूहन्ना 11:11-14 में मृत अवस्था को "नींद" की बेहोश अवस्था कहा है। वे कब तक सोएंगे?

"वैसे ही मनुष्य लेट जाता है और फिर नहीं उठता, जब आकाश बना रहेगा तब तक वह न जागेगा, और न उसकी नींद टूटेगी" (अय्यूब 14:12)। "परमेश्वर का दिन आएगा ... जिसमें स्वर्ग भी जाएगा" (2 पतरस 3:10)।

उत्तर: मृतक जगत के अंत में, परमेश्वर के उस महान दिन तक सोए रहेंगे। मृत्यु में मनुष्य किसी भी तरह की गतिविधि या ज्ञान से पूरी तरह से अनजान हैं।

10 मसीह के दूसरे आगमन पर मृत धर्मी के साथ क्या होगा?

"देख मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिपल मेरे पास है" (प्रकाशितवाक्य 22:12)। "क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, ... और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। ... और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16, 17)। "देखो, मैं तुमसे भेद की बात कहता हूँ: हम सब नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे, और यह क्षण भर में, पालक झपकते ही ... होगा। ... मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे। क्योंकि यह आवश्यक है कि यह नाशवान देह अविनाश को पहिन ले, और रह मरनहार देह अमरता को पहिन ले" (1 कुरिन्थियों 15:51-53)।

उत्तर: उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। उन्हें जी उठाया जाएगा, और उन्हें अमर देह दिया जाएगा, और परमेश्वर से मिलने के लिए हवा में उठाए जाएँगे। अगर लोगों को मृत अवस्था में स्वर्ग में ले जाया गया तो पुनरोत्थान में कोई उद्देश्य नहीं रहेगा।

11 पृथ्वी पर शैतान का पहला झूठ क्या था?

"तब सर्प ने स्त्री से कहा, 'तुम निश्चय न मरोगे!'" (उत्पत्ति 3:4)। "तब वह बड़ा अजगर, अर्थात वही पुराना साँप जो इब्लीस और शैतान कहलाता है" (प्रकाशितवाक्य 12:9)।

उत्तर: तुम नहीं मरोगे।

12 शैतान ने हव्वा को मौत के बारे में क्यों झूठ बोला? क्या यह विषय हमारे विचार से भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है?

उत्तर: शैतान का यह झूठ कि हम नहीं मरेंगे, उसकी शिक्षाओं के आधार में से एक है। हजारों सालों से, उसने लोगों को बहकाने के लिए शक्तिशाली तथा भ्रामक चमत्कार किए हैं कि वे मरे हुओं की आत्माओं से संदेश प्राप्त कर रहे हैं। (उदाहरण: मिस्र के जादूगर - **निर्गमन 7:11**; एन्दोर की महिला - **1 शमूएल 28:3-25**; जादूगर - **दानिय्येल 2:2**; दास लड़की - **प्रेरितों 16:16-18**)।

एक गंभीर चेतावनी:

निकट भविष्य में, शैतान फिर से भूत-सिद्धि का प्रयोग करेगा-जैसा कि उसने दुनिया को धोखा देने के लिए भविष्यवक्ता दानिय्येल के दिनों में किया था (**प्रकाशितवाक्य 18:23**)। भूत-सिद्धि एक अलौकिक माध्यम है जो मृतकों की आत्माओं से अपनी शक्ति और ज्ञान प्राप्त करने का दावा करती है।

यीशु के अनुयायियों के रूप में दिखावा करना:

मरे हुए धर्मी प्रियजनों, मर चुके पवित्र पादरियों, बाइबल के नबियों, या यहाँ तक कि यीशु के चेलों के रूप में, खुद को प्रस्तुत कर (**2 कुरिंथियों 11:13**), शैतान और उसके स्वर्गदूत अरबों को धोखा देंगे। जो लोग विश्वास करते हैं कि मरे हुए लोग अभी भी जीवित हैं, किसी भी रूप में क्यों न हों, वे धोखे में आ जायेंगे।

13 क्या शैतान वास्तव में चमत्कार करते हैं?

"ये चिन्ह दिखानेवाली दुष्ट आत्माएँ हैं" (प्रकाशितवाक्य 16:14)। "क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह, और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें" (मत्ती 24:24)।

उत्तर: हाँ वास्तव में! शैतान अविश्वसनीय रूप से ठोस चमत्कार करता हैं (प्रकाशितवाक्य 13:13, 14)। शैतान प्रकाश के एक स्वर्गदूत के रूप में दिखाई देगा (2 कुरिन्थियों 11:14) तथा, इससे भी अधिक चौंकाने वाला, वह स्वयं मसीह के रूप में प्रकट होगा (मत्ती 24:23, 24)। सार्वभौमिक भावना यह होगी कि मसीह और उसके स्वर्गदूत एक शानदार विश्वव्यापी पुनरुद्धार में आगे बढ़ रहे हैं। यह इतना आत्मिक प्रतीत होगा और इतना अलौकिक होगा कि केवल परमेश्वर के चुने हुए लोग धोखा नहीं खाएँगे।

सभी चमत्कारी काम परमेश्वर से नहीं हैं, क्योंकि शैतान भी चमत्कार करता है।

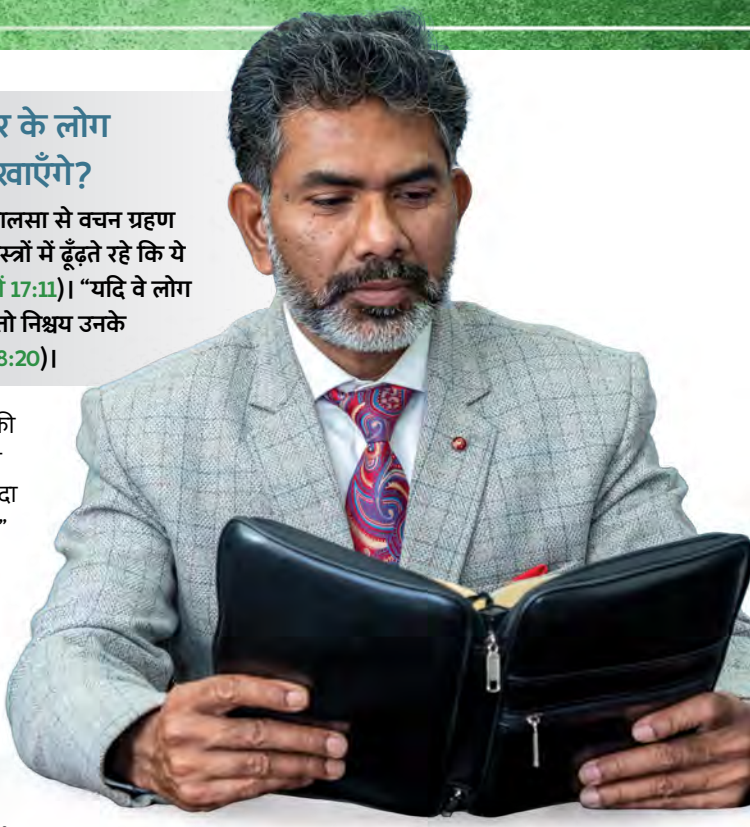

14 क्यों परमेश्वर के लोग धोखा नहीं खाएँगे?

"और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्र शास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें योंहीं हैं कि नहीं।" (प्रेरितों 17:11)। "यदि वे लोग इन वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी" (यशायाह 8:20)।

उत्तर: परमेश्वर के लोग उसकी पुस्तक के अध्ययन से जान लेंगे कि मरे हुए लोग मर चुके हैं, जिंदा नहीं। वे जानेंगे कि एक "आत्मा" जो मृत प्रियजन होने का दावा करती है वह वास्तव में शैतान है! परमेश्वर के लोग सभी शिक्षकों और चमत्कारिक श्रमिकों को अस्वीकार कर देंगे जो मरे हुओं की आत्माओं से संपर्क करके विशेष "प्रकाश" या चमत्कार प्राप्त करने का दावा करते हैं। और ईश्वर के लोग सभी खतरनाक और झूठी शिक्षाओं को अस्वीकार कर देंगे जो दावा करती हैं कि मृत किसी भी रूप में कहीं भी जीवित रहते हैं।

15 मूसा के दिनों में, परमेश्वर ने क्या आदेश दिया, कि उन लोगों के साथ क्या किया जाना चाहिए, जिन्होंने यह सिखाया कि मृत जीवित थे?

"यदि कोई पुरुष या स्त्री ओझाई अथवा भूत की साधना कर, तो वह निश्चय मार डाला जाए; ऐसों पर पथराव किया जाए, उनका खून उन्हीं के सिर पड़ेगा" (लैव्यव्यवस्था 20:27)।

उत्तर: परमेश्वर ने जोर दिया कि "परिचित आत्माओं" (जो मरे हुओं से संपर्क करने में सक्षम होने का दावा करते हैं) को पथराव करके मार डालना चाहिए। इससे पता चलता है कि झूठी शिक्षा, जो यह कहती है कि "मृत जीवित हैं", के बारे में परमेश्वर क्या विचार रखता है।

16 क्या पुनरुत्थान में जी उठाए गए धर्मी लोग फिर कभी मरेंगे?

"पर जो लोग इस योग्य ठहरेंगे कि उस युग को मरे हुओं में से जी उठने को प्राप्त करें, ... वे फिर मरेंगे भी नहीं" (लूका 20:35, 36)। "वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शओक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रहीं" (प्रकाशितवाक्य 21:4)।

उत्तर: नहीं! मृत्यु, दुःख, रोना और त्रासदी परमेश्वर के नए राज्य में कभी प्रवेश नहीं करेंगे। "और जब यह नाशमान अविनाश को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तक वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा, कि 'जय ने मृत्यु को निगल लिया'" (1 कुरिन्थियों 15:54)।

17 आज पुनर्जन्म में विश्वास तेजी से बढ़ रहा है। क्या यह बाइबल की शिक्षा है?

"परन्तु जीवित तो इतना जानते हैं कि वे मरेंगे, परन्तु मरे हुए कुछ भी नहीं जानते, ... अब जो कुछ सूर्य के नीचे किया जाता है उसमें सदा के लिए उनका और कोई भाग न होगा" (सभोपदेशक 9:5, 6)।

उत्तर: धरती पर रहने वाले लगभग आधे लोग पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं, एक आत्मा जो कभी नहीं मरती है, बल्कि इसके बाद प्रत्येक पीढ़ी के साथ एक अलग शरीर में पुनर्जन्म लेती है। हालांकि, यह शिक्षा पवित्रशास्त्र के विपरीत है।

बाइबल कहती है:

मृत्यु के बाद एक व्यक्ति: मिट्टी में मिल जाता है (भजन संहिता 104:29), कुछ भी नहीं जानता (सभोपदेशक 9:5), सब कल्पनाएँ नष्ट हो जाएँगी (भजन संहिता 146:4), पृथ्वी पर करने के लिए कुछ नहीं है (सभोपदेशक 9:6), जीवित नहीं रहता (2 राजा 20:1), कब्र में इंतजार करता है (अय्यूब 17:13), और ठहरता नहीं है (अय्यूब 14:1, 2)।

शैतान का आविष्कार:

हमने पहले ही सीखा है कि शैतान ने इस शिक्षा का आविष्कार किया कि मृत जीवित हैं। पुनर्जन्म, पथप्रदर्शन, आत्माओं के साथ संचार, आत्माओं की पूजा, और "अनन्त आत्मा" ये सभी शैतान के आविष्कार हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को यह विश्वास दिलाना है कि जब आप मर जाते हैं तो आप वास्तव में मर नहीं जाते हैं। जब लोग मानते हैं कि मृत जीवित हैं, "चिन्ह दिखानेवाली दुष्टआत्माएँ" (प्रकाशितवाक्य 16:14) मरे हुओं की आत्माओं के रूप में प्रस्तुत होकर उन्हें धोखा दे सकते हैं और उन्हें भटका सकते हैं (मत्ती 24:24)।

18 क्या आप बाइबल के लिए आभारी हैं, जो हमें इस संवेदनशील विषय पर सच्चाई बताता है?

आपका उत्तर: ☐

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. क्या क्रूस पर का वह चोर उसी दिन मसीह के साथ स्वर्ग में नहीं गया जिस दिन वह मरा?

उत्तर: नहीं, दरअसल, रविवार की सुबह यीशु ने मरियम से कहा, "मैं अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गया" (**यूहन्ना 20:17**)। इससे पता चलता है कि मसीह, मृत्यु के बाद स्वर्ग में नहीं गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आज बाइबल में हम जो विराम चिह्न देखते हैं वह मूल नहीं है, परन्तु बाद में अनुवादकों द्वारा जोड़े गए हैं। अंग्रेजी बाइबल में **लूका 23:43** में "आज (टुडे)" शब्द के बाद कॉमा लगाना बेहतर होता न की पहले, तब यह पद हिंदी में इस प्रकार होता, "सच में,मैं आज तुझसे कहता हूँ, तू मेरे साथ स्वर्ग में होगा।" इसे कहने का एक और तरीका कविता के रूप में है जो तत्काल, इस संदर्भ में समझ में आता है: "मैं तुमको आज बता रहा हूँ-और ऐसा प्रतीत होता है कि मैं किसी को भी बचा नहीं सकता, जब मैं ख़ुद अपराधी के रूप में क्रूस पर चढ़ाया जा रहा हूँ - मैं तुमको आश्वासन देता हूं कि तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे। "मसीह का गौरव का राज्य उसके दूसरे आगमन पर स्थापित किया जाएगा (**मत्ती 25:31**), और उस समय सभी युगों के धर्मी लोग उसमें प्रवेश करेंगे (**1 थिस्सलुनिकियों 4:15-17**), मृत्यु के समय पर नहीं।

2. क्या बाइबल "अनंत", "अमर" आत्मा की बात नहीं करती है?

उत्तर: नहीं। बाइबल में अनन्त, अमर आत्मा का उल्लेख नहीं किया गया है। "अमर" शब्द बाइबिल में केवल एक बार पाया जाता है, और यह परमेश्वर के संदर्भ में है (**1 तीमुथियुस 1:17**)।

3. मृत्यु पर देह मिट्टी में मिल जाता है और आत्मा (या साँस) परमेश्वर के पास लौट जाती है। लेकिन आत्मा कहाँ जाती है?

उत्तर: यह कहीं नहीं जाता है। बस इसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। आत्मा बनाने के लिए दो चीजों को जुड़ना आवश्यक है: देह और श्वास। जब श्वास चली जाती है, आत्मा का अस्तित्व भी समाप्त हो जाता है क्योंकि यह दो चीजों का संयोजन है। जब आप बंद करते है, तो प्रकाश कहां जाता है? यह कहीं नहीं जाता है। उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। प्रकाश बनाने के लिए दो चीजों को संयोजन आवश्यक है: एक बल्ब और बिजली। संयोजन के बिना, प्रकाश का अस्तित्व असंभव है। इसी प्रकार आत्मा के साथ भी होता है: जब तक देह और श्वास नहीं मिलते, आत्मा नहीं बन सकता। "देहमुक्त आत्मा" जैसी कोई चीज नहीं है।

4. क्या "आत्मा" शब्द का अर्थ जीवित प्राणी के अलावा कुछ और भी है?

उत्तर: हाँ। इसके अर्थ ये भी हो सकते हैं (1) जीवन, या (2) दिमाग, या बुद्धि। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किस अर्थ के लिए इसका प्रयोग किया गया है, क्योंकि आत्मा अब भी दो चीजों (देह और श्वास) का संयोजन है, और मरने पर इसका अस्तित्व नहीं रह जाता है।

5. क्या आप यूहन्ना 11:26 को समझा सकते हैं: “और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मेरगा”?

उत्तर: यह पहली मौत को संदर्भित नहीं करता है, जिसमें सभी लोग मरते हैं (**इब्रानियों 9:27**), परन्तु दूसरी मृत्यु को, जिसमें केवल दुष्ट मरेंगे और जिससे कोई पुनरोत्थान नहीं होगा (**प्रकाशितवाक्य 2:11; 21:8**)।

6. मत्ती 10:28 कहता है, “जो शरीर को घात करते हैं, पर आत्मा को घात नहीं कर सकते, उनसे मत डरना।” क्या यह साबित नहीं करता कि आत्मा अनंत है?

उत्तर: नहीं। यह इसके विपरीत साबित करता है। इसी पद का अंतिम भाग साबित करता है कि आत्माएँ मर जाती हैं। यह कहता है, “पर उसी से डरो, जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नष्ट कर सकता है”। “आत्मा” शब्द का अर्थ जीवन है और अनंत जीवन को संदर्भित करता है, जो एक उपहार है (**रोमियों 6:23**) जो कि धर्मियों को अंतिम दिन में दिया जाएगा (**यूहन्ना 6:54**)। कोई भी उस अनन्त जीवन को नष्ट नहीं कर सकता जो परमेश्वर देता है। (**लूका 12:4, 5** भी देखें।)

7. क्या 1 पतरस 4:6 नहीं कहता है कि सुसमाचार मृत लोगों को प्रचार किया गया था?

उत्तर: नहीं। यह कहता है कि सुसमाचार “उन लोगों को” दिया गया था जो “मर चुके” हैं। वे अब मर चुके हैं, लेकिन सुसमाचार “उनको” तब दिया गया था, जब वे जीवित ही थे।

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

01

02

03

04

05

06

07

08

09

10

11

12

13

14

यह अध्ययन संदर्शिका 14 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 01: क्या कुछ बचा है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं?
अध्ययन संदर्शिका 02: क्या परमेश्वर ने शैतान को बनाया?
अध्ययन संदर्शिका 03: निश्चित मौत से बचाया गया
अध्ययन संदर्शिका 04: अंतरिक्ष में एक विशाल शहर
अध्ययन संदर्शिका 05: एक सुखद विवाह की कुंजी
अध्ययन संदर्शिका 06: पत्थर में लिखा है!
अध्ययन संदर्शिका 07: इतिहास का खोया हुआ दिन
अध्ययन संदर्शिका 08: परम उद्धार (यीशु मसीह का पुनरागमन)
अध्ययन संदर्शिका 09: शुद्धता और शक्ति!
अध्ययन संदर्शिका 10: क्या मृतक वास्तव में मृत हैं?
अध्ययन संदर्शिका 11: क्या शैतान नर्क का प्रभारी है?
अध्ययन संदर्शिका 12: शांति के 1000 वर्ष
अध्ययन संदर्शिका 13: परमेश्वर की नि:शुल्क स्वास्थ्य योजना
अध्ययन संदर्शिका 14: क्या आज्ञाकारिता विधिवादिता है?

सारांश पत्र

10

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया "**अडोबी रीडर**" का उपयोग करें।

1. बाइबल मृत्यु के बारे में यह कहती है (1)

- ☐ नींद है।
- ☐ जीवन के एक अलग रूप में परिवर्तन।
- ☐ एक अबोध्य रहस्य।

2. "आत्मा" जो मृत्यु पर परमेश्वर के पास लौट जाती है, वह है (1)

- ☐ एक व्यक्ति का असली आंतरिक आत्मा।
- ☐ आत्मा।
- ☐ जीवन का श्वास।

3. एक व्यक्ति जो मरता है, जाता है (1)

- ☐ स्वर्ग या नर्क में।
- ☐ कब्र में।
- ☐ यातना में (पर्गटरी)।

4. एक आत्मा (1)

- ☐ एक व्यक्ति की आत्मिक प्रकृति है।
- ☐ किसी व्यक्ति अन्नत हिस्सा है ।
- ☐ एक जीवित प्राणी है।

5. क्या आत्मा मर जाती हैं? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

6. धर्मियों को कब प्रतिफल दिया जाएगा? (1)

- ☐ इस जीवन में।
- ☐ मृत्यु होने पर।
- ☐ मसीह के दूसरे आगमन पर।

7. शैतान लोगों को यह बताकर क्यों धोखा देने की कोशिश करता है कि मृत मरे नहीं हैं? (1)

- ☐ ताकि वे उसके चमत्कारों पर विश्वास करेंगे और धोका खाकर खो जाएँगे।
- ☐ क्योंकि उसे उनके लिए खेद है।
- ☐ क्योंकि वह सिर्फ मतलबी और दुष्ट है।

8. जो लोग मरे हुओं के साथ "संवाद" करते हैं वे वास्तव में इनके साथ बात कर रहे हैं (1)

- ☐ अमर आत्माओं।
- ☐ पवित्र स्वर्गदूतों।
- ☐ मृत आत्मा का प्रतिरूपण करने वाली दुष्ट आत्माओं।

9. मूसा के दिनों में परमेश्वर ने आज्ञा दी थी कि जिन्होंने सिखाया कि मरे हुए जीवित हैं उन्हें (1)

- ☐ याजक बनाया जाएँ।
- ☐ उनके ज्ञान के लिए सम्मानित किया जाएँ।
- ☐ मार डाले जाएँ।

10. एक व्यक्ति कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि वह सुरक्षित और सही है? (1)

- ☐ स्वर्ग से एक विशेष संकेत के लिए परमेश्वर से पूछ कर।
- ☐ प्रचारक या सेवक जो कहते हैं वही करें।
- ☐ बाइबल को प्रार्थनापूर्वक और ध्यानपूर्वक पढ़ें और इसका पालन करें।

अगले पृष्ठ पर जारी

11. जब कोई व्यक्ति मर जाता है (1)

- ☐ उसका प्राण, या आत्मा, जीवित रहती है।
- ☐ वह जीवितों देखने और उनसे संपर्क बनाए रखने में सक्षम होता है।
- ☐ वह हर तरह से मर चुका है - शरीर मर जाता है, आत्मा अस्तित्व में नहीं रहती, और जीवितों के साथ उसका कोई संपर्क संभव नहीं है।

12. क्या चमत्कार इस बात का सबूत हैं कि वे परमेश्वर के ही हैं? (1)

- ☐ हाँ। केवल परमेश्वर ही चमत्कार कर सकते हैं।
- ☐ नहीं। शैतान भी बड़े चमत्कार करता है।

13. मैं बाइबल के लिए आभारी हूं, जो हमें इस संवेदनशील विषय पर सच बताता है।

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :					
आपका ईमेल :					
फोन नंबर :					
आपका पता :					
शहर जिला :		*राज्य :*		*देश:*	India
पिन:		*आयु वर्ग :*		*लिंग :*	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

www.AmazingFacts.org • www.AmazingFactsIndia.org • HindiBibleSchool@AFTV.in
© 2020 Amazing Facts India • All Rights Reserved • Printed in India • +91 9169164480